

Padma Bhushan



DR. PRATIBHA RAY

Dr. Pratibha Ray is an internationally acclaimed Indian writer. She has immensely enriched the modern Odia literature by her pioneering short stories and novels, travelogues and essays. Her works not only depict the urban milieu of Odishan culture but also delve deeply into the life of tribal communities. Her novels create a large human order of history, myth and reality. Her worldview is one in many unities in diversity. She has been writing Novels and Short stories in her mother tongue Odia consistently for the last forty-five years and is a household name in Odisha today.

2. Born on 15th January 1944, Dr. Pratibha is a graduate in life science, post-graduate in Education and has Ph.D in Educational Psychology, with her post-doctoral research focused on Tribalism and Criminology of Bondo Highlanders, one of the most primitive tribes of Odisha. She began her professional career as a school teacher, and later taught in various government colleges in Odisha for thirty years. She took voluntary retirement as a Professor of Education and joined as Member, Public Service Commission of Odisha where she worked for six years.

3. Dr. Pratibha is role-model for many women from Odisha for shaping a distinct identity of their own. She has published twenty-two novels, twenty-six short story collections, eleven travelogues, nine books for children, ten books for Neo-literates, essay collections, biography in English, books of lyrics, anthology of poetry, books of tribal research. Her autobiography is the highly acclaimed "Life on Lotus Leaf".

4. Dr. Pratibha has received several awards, recognitions and honours. In 2011, she received the highest literary recognition of India, the Jnanpith Award (Fourth Odia writer, First Odia woman writer and 7th Indian woman writer to have received it). She received the Padma Shri Award for Literature and Education by the Government of India in 2007. She has received several international awards for the linguistic ingenuity in her works which explore the specificity of human experience. She has won prestigious awards like Moortidevi by Bharatiya Jnanapith Trust for her novel Jajnaseni (Draupadi). She is the only woman writer to receive this coveted award till date. She received Sahitya Akademi, Sarala, Bishuva Puraskar, Jhankara and Saptarshi Puraskar for her literary excellence. She has been titled as Kalinga Ratna, Utkal Ratna and Ravenshaw University Ratna where she studied. She received honorary D.Litt from Utkal University of Culture and Ravenshaw University.

पद्म भूषण



डॉ. प्रतिभा राय

डॉ. प्रतिभा राय एक अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त भारतीय लेखिका हैं। उन्होंने अपनी मौलिक लघु कथाओं, उपन्यासों, यात्रा वृत्तांतों और निबंधों के द्वारा आधुनिक ओडिया साहित्य को अत्यधिक समृद्ध किया है। उनकी रचनाएं न केवल ओडिशा की संस्कृति के शहरी परिवेश को प्रतिबिम्बित करती हैं बल्कि आदिवासी समुदायों के जीवन में भी गहराई से उतरती हैं। उनके उपन्यास इतिहास, पुराण और वास्तविकता का एक विराट मानवीय वितान रचते हैं। उनकी विश्वदृष्टि में, अनेकता में एकता निहित है। वह पिछले पैंतालीस वर्षों से अनवरत अपनी मातृभाषा ओडिया में उपन्यास और लघु कथाओं की रचना कर रही हैं और आज उनका नाम ओडिशा के घर-घर में जाना जाता है।

2. 15 जनवरी, 1944 को जन्मी, डॉ. प्रतिभा जीवविज्ञान में स्नातक हैं, शिक्षा में स्नातकोत्तर हैं और शैक्षिक मनोविज्ञान में पीएच.डी हैं। उनका पोस्ट-डॉक्टरेट शोध ओडिशा की एक सबसे आदिम जाति बोंडो हाइलैंडर्स की जनजातीयता और अपराध विज्ञान पर केंद्रित है। उन्होंने एक स्कूल शिक्षक के रूप में अपनी पेशेवर यात्रा शुरू की और बाद में ओडिशा के विभिन्न सरकारी कॉलेजों में तीस वर्ष तक पढ़ाया। उन्होंने शिक्षा प्रोफेसर के रूप में स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ली और ओडिशा के लोक सेवा आयोग की सदस्य के रूप में छह वर्ष तक कार्य किया।

3. डॉ. प्रतिभा ओडिशा की बहुत सी महिलाओं के लिए एक रोल-मॉडल हैं क्योंकि उन्होंने उन्हें एक अलग पहचान दी है। उन्होंने बाईस उपन्यास, छब्बीस लघु कहानी संग्रह, ग्यारह यात्रा वृत्तांत, बच्चों के लिए नौ पुस्तकें, नव-साक्षरों के लिए दस पुस्तकें, निबंध संग्रह, अंग्रेजी में जीवनी, गीतिपुस्तकें, काव्य संकलन, जनजातीय अनुसंधान पर पुस्तकें प्रकाशित की हैं। उनकी आत्मकथा "लाइफ ऑन लोटस लीफ" अत्यधिक ख्याति प्राप्त है।

4. डॉ. प्रतिभा को कई पुरस्कार, प्रशस्ति और सम्मान प्राप्त हुए हैं। 2011 में, उन्हें भारत का सर्वोच्च साहित्यिक सम्मान, ज्ञानपीठ पुरस्कार (चौथी ओडिया लेखक, पहली ओडिया महिला लेखक और सातवीं भारतीय महिला लेखक) प्रदान किया गया। उन्हें 2007 में भारत सरकार द्वारा साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में कार्य के लिए पद्म श्री पुरस्कार मिला। उन्होंने विशिष्ट मानवीय अनुभूतियों की खोज करने वाली अपनी कृतियों की भाषायी सरलता के लिए कई अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किए हैं। उन्होंने अपने उपन्यास ज्ञानसेनी (द्रौपदी) के लिए भारतीय ज्ञानपीठ ट्रस्ट के मूर्तिदेवी पुरस्कार जैसे अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त किए हैं। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार पाने वाली वह एकमात्र महिला लेखिका हैं। साहित्यिक उत्कृष्टता के लिए उन्हें साहित्य अकादमी, सरला, बिशुवा पुरस्कार, झंकार और सप्तर्षि पुरस्कार प्रदान किया गया। उन्हें कलिंग रत्न, उत्कल रत्न और रेवनशाँ विश्वविद्यालय रत्न, जहां उन्होंने अध्ययन किया था, सम्मान प्रदान किए गए हैं। उन्होंने उत्कल संस्कृति विश्वविद्यालय और रेवनशाँ विश्वविद्यालय से मानद डी.लिट की उपाधि प्राप्त की।